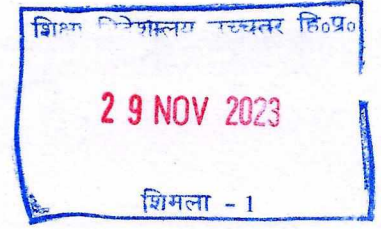


No. EDN-HE (PS)-2023- (Gen. Branch)
Directorate of Higher Education
Himachal Pradesh



To

All the Deputy Director Higher Education
Himachal Pradesh


Subject :- Academic activities to be followed in the classroom/school (for 9th to 12th) for first 15 Days and thereafter .

Sir,

Kindly find enclosed herewith the Teacher Learning Process to be followed in the classroom/school (for 9th to 12th) for first 15 Days and thereafter (Hindi and English version). In this regard you are directed to take further necessary action for the strict compliance of directions contained therein.

Compliance report(s) and action taken thereof be submitted to undersigned within seven days.

Encls : As above



(Dr. Amarjeet K Sharma)
Director Higher Education
Himachal Pradesh

Endst. No. Even

Dated : 29th Nov 2023

Copy for information to :-

1. The Secretary (Education) to the Government of Himachal Pradesh.
2. The Director Elementary Education Directorate of Elementary Education Shimla.
3. The State Project Director , SSA Shimla .
4. The Supdt. (General Branch) will monitor the above well in time.
5. Guard File.


(Dr. Amarjeet K Sharma)
Director Higher Education
Himachal Pradesh

नये शैक्षणिक सत्र के पहले 15 दिनों में कक्षा 9-12 के लिये कक्षा कक्ष तथा विद्यालयों में पठन-पाठन प्रक्रिया हेतु सुझाये जा रहे दिशानिर्देश :-

1. विद्यालय में शैक्षणिक सत्र के पहले ही दिन से पठन-पाठन प्रक्रिया सुनिश्चित की जानी चाहिये।
2. शैक्षणिक सत्र के पहले 15 दिनों में हिंदी, अंग्रेजी और गणित की बुनियादी क्षमताओं की बढ़ोतरी पर ध्यान दें।
3. हर दिन के प्रारम्भिक दो घंटों को केवल हिंदी एवं अंग्रेजी तथा गणित की बुनियादी क्षमताओं को और सुदृढ़ बनाने में लगायें।
4. भाषा तथा गणित के मूलभूत कार्य करने में बच्चों के अधिगम स्तर पिछले शैक्षणिक सत्र की endline assessment के आधार पर पहचानें। इस endline के माध्यम से बच्चों की सीखने में आयी कमियों को पहचानें और इन्हीं के अनुसार निदानात्मक कदम उठायें।
5. शिक्षक लगातार बच्चों के लर्निंग आउटकम जाँचेंगे एवं कमजोर बच्चों को शुरु से ही निदानात्मक शिक्षण करवाएंगे।
6. 30 दिनों के बाद शिक्षक अभिभावकों के साथ बैठक बुलाकर उसमें बच्चों की उपलब्धियों को साझा करें।
7. पूरी कक्षा को भाषा एवं गणित के अधिगम-स्तर के अनुसार समूहों में विभाजित करें।
8. बच्चों को अधिगम स्तर अनुसार ही निदानात्मक शिक्षा दें।
9. भाषा में कम अधिगम स्तर प्राप्त करने वाले बच्चों के साथ शिक्षक अधिक समय बितायेंगे। समझ के साथ पढ़ने वाले बच्चों को अन्य बच्चों की मदद के लिए प्रेरित किया जाए।

10. मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि बच्चे सीख रहे हैं और नियमित रूप से अगले स्तर में जा रहे हैं।
11. पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों का शिक्षक फायदा उठावेंगे। यह पुस्तकें अनुपूरक / सप्लिमेंटरी शिक्षण सामग्री के रूप में पढ़ने और समझने के कौशलों को वर्धित करने में काम आयेंगी।
12. सुबह की सभा में पढ़ने की तथा रचनात्मक लेखन की गतिविधियाँ करवायें। बच्चों की रचनात्मकता तथा सृजनात्मकता को प्रदर्शनपट्ट / डिस्प्लेबोर्ड पर प्रदर्शित करें।
13. बच्चों के अधिगम स्तर में वृद्धि के बारे में अभिभावकों के साथ नियमित समय पर चर्चा करते रहें तथा बच्चों की पढ़ने में, लिखने में तथा गणित में प्रगति को उनके पोर्टफोलियो का हिस्सा बनाएं।
14. यह सारी गतिविधियाँ एक साथ करवायी जायेगी। यह सुनिश्चित करें कि यह सारे काम पृथक-पृथक ना हों।
15. शिक्षक बच्चों के कार्य को समय-समय पर देखते परखते रहें।
16. कक्षा का संचालन समूहों में होता कि विद्यालयों में सामूहिक पढ़ाई (peer learning) हो सके।
17. हर बच्चों के समूह के लिये अधिगम स्तर आधारित अलग-अलग लक्ष्य होंगे।

SA-II मूल्यांकन के बाद स्कूल में अपनाई जाने वाली सुझावात्मक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया-

1. एसए-II मूल्यांकन के बाद सभी स्कूल सभी छात्रों के लिए winter closing में 31 दिसंबर तक और summer closing में 31 मार्च तक खुले रहेंगे। छात्रों को परीक्षा के बाद पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में व्यस्त रखा जाए।
2. उच्च कक्षाओं में Health and Wellness पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करें।
3. अतिरिक्त पढ़ने के लिए पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच की अनुमति देना।
4. छात्रों को उन की पढ़ाई के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों से परिचित कराने के लिए Guest lecture आयोजित करें।
5. शिक्षकों के मार्गदर्शन और संसाधनों के साथ परियोजना-आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करें।
6. मार्गदर्शन और सलाह के लिए छात्रों को उनकी रुचि के क्षेत्र में mentors के साथ जोड़ें।
7. छात्रों को उनके शैक्षणिक क्षेत्र की योजना बनाने में मदद करने के लिए कैरियर परामर्श्या कार्यशालाओं आयोजित करें।
8. मुश्किल या चुनौती पूर्ण विषयों में छोटे बच्चों को सलाह देने के लिए युवा साथियों को प्रेरित करें।
9. बच्चों के इस दौरान सांस्कृतिक गतिविधियां भी करवाई जा सकती हैं। जिसमें प्रत्येक बच्चे की भागीदारी सुनिश्चित करें और बच्चों के टैलेंट की पहचान करें।

Suggestive Teaching Learning Process to be followed in the classroom/School (for 9th to 12th) for first 15 days.

1. School should start "Teaching Learning Process" right from first day of the academic session.
2. Identify learning gaps on the basis of endline results of students from previous class in performing basic class wise competencies in the subject of Mathematics, Hindi and English within first 15 days.
3. Utilize first 15 days for improvement of learning gaps in the subject of Mathematics, science and languages(both Hindi and English).
4. On the basis of these, assessment learning gaps may be identified and remedial measures be taken accordingly.
5. Base line assessment would be displayed prominently and the teacher will monitor and regulate the learner's achievement.
6. Parents meeting be organized after one month and the baseline learning assessment should be shared with them.
7. The entire class would be divided on level wise on the basis of baseline.
8. The children will be given learning standard based interventions.
9. The teacher will spend more time with children having lower levels of learning while students who will achieve the target set by teachers will participate in peer learning.
10. The teachers will ensure that the students are learning and are being regularly shifted to next higher level. This can be done through assessment activities

11. The teachers will also use Library books as supplementary reading material for the enhancement of reading and comprehension skills.
12. Use morning assembly for Reading and creative writing activities. Use display Board for student's creativity.
13. The progress of each child would be shared with the parents regularly. The progress made by the child in different subjects will be the part of student's portfolio.
14. Teachers should check class work regularly.
15. Baseline, midterm and terminal assessment should be done in every school for languages (Hindi and English) and mathematics.
16. Class room management should be in groups to promote group learning in schools.

Suggestive Teaching Learning Process to be followed in the School after SA-II assessment

1. All schools remain open for all students after SA-II assessment till 31st December in winter and 31st March in summer closing. Students should be engaged in curricular and co-curricular activities after exam.
2. Organise interactive sessions on health and wellness in higher classes.
3. Allowing extended access to library resources for additional reading.
4. Conduct guest lectures to expose students to real-world applications of their studies.
5. Encourage project-based learning with guidance and resources from teachers.
6. Pair students with mentors in their field of interest for guidance and advice.
7. Offering career counseling or workshops to help students plan their academic paths.
8. Create systems for older students to mentor or tutor younger peers in challenging subjects.
9. Cultural activities can also be organized for children during this period. Teacher must ensure the participation of every child and identify the talent of the children.